

1) हम अच्छे बनकर भास की शान
बना कर सकते हैं।

2) भास प्रमजीवियों का देश है।

3) बच्चों की वाणी सीधी है।

4) बच्चों को खिलने से महकवा सारा हिंदुस्तान।

5) इधर बच्चों के निर्मल विकास पर इधर
भी कुर्बान

2) अलगू ने त्रिजय त्रिपा की 'माँसी का

साहस' खर्च दिया जाऊ क्योंकि माँसी

को जायदाद से मुनाफा ही अवश्य होगा।

3) त्रिजय त्रिपा की 'माँसी का साहस' के कारण वे इधर

की सारी रचना ही मानता था।

4) त्रिजय त्रिपा की 'माँसी का साहस' कहते हैं

कथ वकी जाहानर महिरों पाई जाते हैं।

3. क) नामिलनाहु एक आठवा है क्योंकि ब्रह्मिण
 धारा के इस प्रदेश की संस्कृति प्राचीनतम
 है।

ख) बच्ची अभी चलकर रकती है ~~द्वारा~~ देश धर्म
 का मान रकती है तथा बड़ाने है देश
 की शान।

4. अमृत - सुधा, शीम

कुसुम - पुल, सुमन

शाक - भाँडिका, मुरख

मदकना - सुघंड, कशुशानु

सुर्ये - सुराज, भाँड

5. राष्ट्र - राष्ट्रीय

चमक - चमकिला

धारा - भारतीय

धारा - धारा